THRU the BIBLE



एक टूटा हुआ घर

प्रार्थना के साथ शुरुआत करें
पढ़ें: उत्पत्ति 27
सुनें: THRU the BIBLE: उत्पत्ति 27

प्रिय परमेश्वर,

जब हम आपकी उपस्थिति में इकट्ठा होते हैं, तो हमारे दिलों को शांत करें और ध्यान भटकाने वाली चीज़ों को दूर करें। हमें छल की कीमत और आपके वादों के बजाय अपनी ही युक्तियों पर भरोसा करने के खतरे को समझने में हमारी सहायता कीजिए। हमें ईमानदारी और विश्वास के साथ आपकी प्रतीक्षा करना सिखाएं।

आमीन।

घर में नाखुशी

उत्पत्ति 27

इसहाक एसाव को ज़्यादा प्यार करता था और रिबका याकूब को। उनका घर भला कैसे खुशहाल हो सकता था? घर में सबसे पहली समस्या यह थी **कि इसहाक का आशीर्वाद किसे मिलेगा?** परमेश्वर ने रिबका से वादा किया था कि **"बड़ा छोटे की सेवा करेगा"** (उत्पत्ति 25:23), इसलिए आशीर्वाद याकूब के लिए तय था। यह जानते हुए भी, इसहाक ने याकूब को नज़रअंदाज़ करके एसाव को आशीर्वाद देने की कोशिश की। **याकूब ने खुद आशीर्वाद पाने के लिए एक चाल चली।**

किसी को भी परमेश्वर के वादे पर विश्वास नहीं था। और धोखे की वजह से परिवार **बिखर गया और फिर कभी एक नहीं हो पाया।**



"किसी को भी परमेश्वर के वादे पर विश्वास नहीं था। और धोखे की वजह से परिवार बिखर गया और फिर कभी एक नहीं हो पाया।"

याकूब एसाव का जन्मसिद्ध अधिकार ले लेता है

हमने इसहाक की यात्राओं, समझौते करने और कुएँ खोदने के दौरान उसेक साथ सफ़र किया है। **हम जानते हैं कि वह शांति और धैर्य रखने वाला एक महान व्यक्ति था, साथ ही वह एक प्रभावशाली और शक्तिशाली इंसान भी था।** लेकिन अब **वह बूढ़ा हो चुका हैं और उसकी नज़र कमज़ोर हो गई है; उसे पता है कि उसकी ज़िंदगी का सफ़र अब खत्म होने वाला है।**

अपनी पूरी ज़िंदगी में, एसाव उसका पसंदीदा बेटा रहा था। वह बाहर घूमने-फिरने वाला लड़का था जो हिरण या कोई और जानवर शिकार करके लाता था और उसे ठीक वैसे ही पकाता था जैसा उसके पिता को पसंद था। अब वह अपने बेटे को आशीर्वाद देना चाहता था। **उसे पता था कि परमेश्वर ने कहा था "बड़ा छोटे की सेवा करेगा," लेकिन एसाव को आशीर्वाद देने के लिए वह जानबूझकर यह बात भूल जाता था।** वह एसाव से कहता था कि वह जाकर मांस का शिकार करे, और कहते था कि ऐसा करने पर वह उसे आशीर्वाद देंगा।

क्या आपने उत्पत्ति के इस आखिरी हिस्से में परिवार के **झगड़ों** पर ध्यान दिया है? पहले, हागार की वजह से अब्राहम के परिवार में परेशानी हुई थी। अब **जुड़वां बच्चों को लेकर इस परिवार में झगड़ा हो रहा है।**

रिबका ने इसहाक की एसाव से कही बात **सुन ली।** चूँकि याकूब उसका चहेता था, इसलिए उसने एक **चालबाज़ी भरी जवाबी योजना बनाई।** परमेश्वर ने इसे अपने वचन में शामिल किया है क्योंकि यह एक ऐतिहासिक तथ्य है, लेकिन यह **पूरी तरह से धोखा है और इसे सही नहीं ठहराया जा सकता।**

रिबका याकूब से दो बकरियाँ मारने के लिए कहती है और कहती है कि वह उन्हें वैसे ही पकाएगी जैसा उसके पति को पसंद है। फिर वह कहती है, **"तब तुम इसे अपने पिता के पास ले जाना ताकि वे इसे खा सकें और मरने से पहले तुम्हें आशीर्वाद दे सकें।"** (v.10)

> "याकूब ने अपनी माता रिबका से कहा, "सुन, मेरा भाई एसाव तो रोंआर पुरुष है, और मैं रोमहीन पुरुष हूँ। कदाचित् मेरा पिता मुझे टटोलने लगे, **तो मैं उसकी दृष्टि में ठग ठहरूँगा;** और आशीष के बदले श्राप ही कमाऊँगा।" (v11-12)

रिबका ने उससे कहा कि वह वैसा ही करे जैसा उसने कहा है, और वह सब संभाल लेगी। **उसने एसाव के कुछ कपड़े लिए और याकूब को पहना दिए, और फिर उसके हाथों और गर्दन पर बकरियों की खाल लगा दी।** इसके बाद उसने उसे तैयार किया हुआ मांस और रोटी दी और याकूब को उन्हें लेकर इसहाक के कमरे में भेज दिया। **जब उसके पिता उसके हाथों और गर्दन को छूते, तो उन्हें लगता कि वह एसाव है। एसाव के कपड़ों की वजह से याकूब से भी एसाव जैसी ही महक आने लगी थी।**

तब याकूब इसहाक के पास गया और उसने अपना किरदार बखूबी निभाया। **उसने हर बात का सही जवाब दिया और एक धार्मिक धोखेबाज़ की तरह पेश आया। इस धोखे में प्रभु की कोई भूमिका नहीं थी।**



> सके पास हर बात का सही जवाब था और उसने धार्मिक होने का ढोंग किया। इस धोखेबाज़ी से परमेश्वर का कोई लेना-देना नहीं था।

उसने कहा, "पिताजी, मैं आ गया।"
"तू कौन है?"
"मैं एसाव हूँ। वह शिकार का मांस ले आया हूँ जो आप चाहते थे, ताकि आप मुझे आशीर्वाद दें।"
"तुझे यह इतनी जल्दी कैसे मिल गया?"
"केवल इसलिए कि यहोवा ने उसे मेरे सामने पहुँचा दिया!"

तब इसहाक ने याकूब को पास बुलाया, उसे छूकर देखा और कहा, "आवाज़ तो याकूब की है, लेकिन हाथ एसाव के हैं।" इसहाक ने उसके कपड़े भी सूंघे। **हो सकता है उसे कुछ गड़बड़ लगी हो, लेकिन रिबका उसे अच्छी तरह जानती थी और उसने हर बात का पूरा इंतज़ाम कर रखा था।**

तब इसहाक ने खाना खाया और अपने बेटे याकूब को आशीर्वाद दिया। "परमेश्वर तुझे आकाश से ओस, और भूमि की उत्तम से उत्तम उपज, और बहुत सा अनाज और नया दाखमधु दे; राज्य-राज्य के लोग तेरे अधीन हों, और देश-देश के लोग तुझे दण्डवत् करें; तू अपने भाइयों का स्वामी हो, और तेरी माता के पुत्र तुझे दण्डवत् करें। जो तुझे श्राप दें वे आप ही श्रापित हों, और जो तुझे आशीर्वाद दें वे आशीष पाएँ।" (उत्पत्ति 27:28-29)

असल में, इसहाक याकूब को वही आशीर्वाद दे रहा हैं जो उन्हें खुद मिला था - वे उसे आगे बढ़ा रहा हैं। **यह वही आशीर्वाद है जो पहले से ही याकूब का था।** परमेश्वर ने उसे पहले ही आशीष दे दी थी। परमेश्वर इस धोखे को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं करते।

जैसे ही इसहाक ने याकूब को आशीर्वाद दिया और याकूब कमरे से बाहर निकला ही था कि एसाव शिकार करके लौट आया। उसने मांस पकाया और अपने पिता के पास ले आया। **उसे यह समझने में ज़रा भी देर नहीं लगी कि उसके साथ धोखा हुआ है।** इसहाक यह सोचकर भावनाओं से भर गया कि उन्हें किस तरह इस साज़िश में फँसाया गया था।

और जब एसाव को पता चला कि क्या हुआ है, तो वह चिल्लाया, "मुझे भी आशीर्वाद दे!" लेकिन इसहाक ने कहा, "नहीं, उसने तेरा आशीर्वाद ले लिया है।" एसाव ने माना, "तूने उसका नाम सही रखा था; **वह हड़पने वाला है।** उसने मेरा आशीर्वाद चुरा लिया।" एसाव के लिए इसहाक की बात भविष्यद्वाणी जैसी थी, "तू तलवार के बल पर जियेगा, और अपने भाई की सेवा करेगा।" (उत्पत्ति 27:40)

याकूब का जन्मसिद्ध अधिकार पाने का तरीका बहुत बुरा था। जन्मसिद्ध अधिकार तो पहले से ही उसका था! उसके पिता का आशीर्वाद देने की औपचारिकता की कोई ज़रूरत नहीं थी। **परमेश्वर ने उसके धोखे और चालाकी** को वैसे ही मंज़ूरी नहीं दी, जैसे उन्होंने सारा और अब्राहम की हाजरा और इश्माएल वाली योजना को मंज़ूरी नहीं दी थी। अब्राहम ने इसहाक को आशीर्वाद नहीं दिया था - परमेश्वर ने दिया था! और परमेश्वर ने ही याकूब को भी यह आशीर्वाद दिया। **उसकी चालाकी न सिर्फ़ गैर-ज़रूरी थी, बल्कि परमेश्वर इसके लिए उससे हिसाब भी लेने वाले थे।**

भागता हुआ

एसाव याकूब से उसकी हरकत की वजह से **नफ़रत करने लगा** और उसने एक योजना बनाई। उसने सोचा, "हमारा पिता बूढ़ा हो गया हैं और अब ज़्यादा दिन नहीं जियेगा। जैसे ही वह मरेगा, मैं याकूब को मार डालूँगा। मैं उससे छुटकारा पा लूँगा!" वह इसी योजना के बारे में सोचता रहता था और ज़ाहिर है कि उसने दूसरों से भी इस बारे में बात की होगी। जब यह बात रिबका को पता चली, तो उसने फिर से योजना बनाना शुरू कर दिया। उसने याकूब से कहा, **"तुझे घर छोड़ना होगा।" उसे यह नहीं पता था कि इस पाप में अपनी भूमिका के लिए उसे भी कीमत चुकानी पड़ेगी।**

उसकी योजना थी कि याकूब **हारान में** उसके भाई **लाबान** के पास चला जाए। "जब तक एसाव शांत नहीं हो जाता, तब तक उसे कुछ समय के लिए छिपकर रहने दो।" लेकिन जो कुछ दिनों की बात थी, वह 20 साल तक खिंच गई।

रिबका ने इसहाक को मना लिया कि याकूब को हारान जाकर पत्नी ढूँढ़नी चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे अब्राहम के नौकर ने उसके लिए पत्नी ढूँढ़ी थी। **एसाव की कनानी पत्नियों ने इसहाक और रिबका की ज़िंदगी मुश्किल कर दी थी।** याकूब को कनान देश से बाहर निकलकर अपने परिवार में से ही परमेश्वर से डरने वाली पत्नी ढूँढ़ने की ज़रूरत थी, वरना शायद वह भी वही गलती कर बैठता।

यह याकूब को खतरे से दूर ले जाने और उसके लिए पत्नी खोजने का एक बेहतरीन बहाना था। वह याकूब को अपने परिवार और अपने भाई लाबान के पास वापस जाने के लिए मना लेती है। **दुख की बात है कि याकूब से दोबारा मिलने से पहले ही उसकी मौत हो जाती है।**



परमेश्वर के अनन्त सत्य

उत्पत्ति 27 से हमारे लिए सीख

परमेश्वर की प्रभुता बनी रहती है, लेकिन वह अपने बच्चों के शारीरिक कामों के लिए उन्हें अनुशासित करता है।



- **सत्य:** याकूब की चालाकी पूरी तरह छल थी, जिसे परमेश्वर ने स्वीकार नहीं किया। परमेश्वर के निर्णय के अनुसार आशीर्वाद पहले से ही याकूब का था; इसलिए उसके लिए धोखा देने की कोई आवश्यकता नहीं थी। फिर भी परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की, परन्तु उसके परिणामस्वरूप हुए वनवास और परीक्षाओं के द्वारा उसने याकूब को अनुशासित किया।



- **नए नियम से संबंध:** इब्रानियों 12 हमें याद दिलाता है कि परमेश्वर उन्हें अनुशासन करता है जिनसे वह प्रेम करता है। प्रभु हमारे जीवन में परीक्षाएँ आने देता हैं ताकि हम मज़बूत बनें, हमें हिम्मत मिले, और हमारा धोखेबाज़ स्वभाव सुधरे, ताकि हम परमेश्वर के लिए मज़बूती से खड़े रह सकें।

मनन के लिए प्रश्न

सवाल 1

चालाकी का जाल: अपनी ज़िंदगी में आप अभी कहाँ परमेश्वर के वादों को पूरा करने में उनकी "मदद" करने के लिए अपनी चालाकी, कंट्रोल या धोखे का इस्तेमाल कर रहे हैं, जैसा रिबेका और याकूब ने किया था?

सवाल 2

विश्वास के साथ जीना: सच्चा विश्वास पूरी तरह से परमेश्वर के कहे हुए वचनों पर टिका होता है। मसीह के ज़रिए परमेश्वर ने आपको कौन-से वादे किए हैं, जिनसे आपको यह भरोसा मिलता है कि आप अपनी योजनाएँ बनाने के बजाय परमेश्वर की योजना पर भरोसा कर सकें?

THRU the BIBLE

हमारे रिसोर्स का इस्तेमाल करें

THRU the BIBLE ऐप डाउनलोड करें और 200 से ज़्यादा भाषाओं में उपलब्ध ऑडियो बाइबल शिक्षाएँ सुनें।

Visit ttb.bible

हमारी वेबसाइट पर 'स्क्रिप्चर एंगेजमेंट' बुक सीरीज़ के और भी वॉल्यूम वाली इंटरैक्टिव डिजिटल फ्लिप बुक देखें।

Visit ttbsa.org